IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सुल्तानगंज शहर में तीर्थ यात्रा पर्यटक के संतुष्टि सूचकांक का निर्धारण एवं अध्ययन

कृष्ण जी, यू•जी•सी• नेट, शोधार्थी, तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर

सारांश– तीर्थ यात्रा पर्यटन में किसी विशेष धर्म या आध्यात्मिक परंपरा के पवित्र धार्मिक स्थान की यात्रा करना शामिल है। आज के परिदृश्य में पर्यटन उद्योग सबसे अधिक तेजी से उभरता हुआ आर्थिक क्षेत्र है, यह विश्व के कई हिस्सों में विकास के बहुत सारे नए विकल्प खोल रहा है। इस शोध पत्र का उद्देश्य इस बात का अध्ययन करना है कि पर्यटन स्थलों पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के आकर्षण के लिए कौन से प्रभावी कारक हैं तथा इन पर्यटकों का इस कारक पर सुल्तानगंज के संदर्भ में संतुष्टि सूचकांक के स्तर को जानना है। इस शहर का धार्मिक महत्व इसकी स्थिति उत्तर वाहिनी गंगा के किनारे होने के साथ–साथ यहां मौजूद विश्व प्रसिद्ध बाबा अजगैवीनाथ नाथ मंदिर है, जो गुप्तकालीन नक्काशी युक्त ग्रेनाइट के पहाड़ पर गंगा नदी के किनारे है। ऐसे तो वर्ष भर हजारों की संख्या में तीर्थ यात्री यहां आते हैं, लेकिन हिंदू के पवित्र महीना श्रावण में यह संख्या लाखों में बदल जाती है, इन तीर्थ यात्रियों को प्रभावित करने वाले मुख्य ग्यारह कारक को चिन्हित किया गया है, एवं पर्यटकों के संतुष्टि को चार स्तरों में बांटा गया : उत्कृष्ट , अच्छा, संतोषजनक और असंतोषजनक। औसत संतुष्टि सूचकांक 56.02 प्रतिशत के साथ इस पर्यटन केंद्र का समग्र संतुष्टि स्तर अच्छा है, यह संतुष्टि सूचकांक भविष्य में इस धार्मिक पर्यटन केंद्र की योजना और विकास के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

शब्द कुंजी– पर्यटन, तीर्थ यात्रा, प्रबंधक कारक, संतुष्टि सूचकांक

परिचय

पर्यटन का इतिहास मानव कि यात्रा से प्रारंभ होती है।प्राचीन समय में मनुष्य भोजन की तलाश में प्रकृति के प्रति आश्रयता के कारण यात्रा करता था, ये यात्रा हमें पर्यटन के इतिहास एवं अतीत के विकास ने वर्तमान पर्यटन को कैसे प्रभावित किया। इसे समझने में मदद करता है। वर्तमान समय में पर्यटन का अर्थ अपने दैनिक स्थान से बाहर जाकर नई स्थानों की यात्रा करना है,जो मुख्य रूप से मनोरंजन, सांस्कृतिक अनुभव, ज्ञान एवं धार्मिक उद्देश्यों के लिए की जाती है। खास करके भारत जैसे सांस्कृतिक बहुमूल्य देशों में धार्मिक उद्देश्य से तीर्थयात्रा पर्यटन प्रमुख है, जिसमे किसी विशेष धर्म या अध्यात्मिक परंपरा के धार्मिक स्थान की यात्रा करना शामिल है, ये तीर्थयात्रा अक्सर आशीर्वाद प्राप्त करने या आध्यात्मिक व्यक्ति एवं ईश्वर से जुड़ने के लिए कि जाती है। साथ ही तीर्थयात्रा पर्यटन किसी विशेष धर्म या संस्कृति के बारे मे अधिक जानने की भावना से भी प्रेरित होके

की जाती है। आज के समय में यातायात सुविधाओं के उन्नत विकास के चलते तीर्थयात्रा पर्यटन के समग्र परिदृश्य में बदलाव आया है, इन बदलाव का पर्यटकों के आने की संख्या ने पर्यटन स्थल की क्रियात्मक पहलुओं पर व्यापक प्रभाव डाला है,इसलिए इनका अध्ययन महत्वपूर्ण हो जाता है। जिससे हम उस पर्यटन स्थल को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का संतुष्टि स्तर ज्ञात कर विकास की दर एवं दिशा के साथ भविष्य के जरूरतों को परिभाषित करते है।जो उस स्थान के पर्यटन विकास के लिए आवश्यक है।

सुल्तानगंज शहर एक धार्मिक पर्यटन केंद्र है जिसमें श्रावणी महीने में आयोजित होने श्रावणी मेले के कारण तीर्थयात्रा पर्यटन मुख्य हो जाता है, यह तीर्थयात्रा सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा से गंगा जल लेकर 105 किलोमीटर दूर बाबा धाम (देवघर) में अर्पित कर पूर्ण होता है, इस यात्रा में भाग लेने वाले पर्यटकों को बोल बम, डाक बम एवं दांडी बम इत्यादि कहकर पुकारते हैं यह तीर्थयात्रा भगवान शिव की भक्ति एवं लोक संस्कृति का अनूठा संगम है, इस तीर्थयात्रा के आरंभ शिव को समर्पित मंदिर बाबा अजगैवीनाथ धाम सुल्तानगंज से तथा अंत बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर में होती है।

अध्ययन क्षेत्र

सुल्तानगंज भारत के बिहार राज्य के भागलपुर जिले में स्थित एक धार्मिक इतिहासिक स्थल है , जो कि गंगा के दक्षिणी तट पर भागलपुर मुख्य शहर से 25 किलोमीटर पश्चिम तथा राजधानी पटना से 208 किलोमीटर पूर्व में स्थित है , जिसका भौगोलिक विस्तार 25°12′48′′ से 25°15′52′′ उतरी अक्षांश तथा 86°42′32′′ से 86°48′1′′ पूर्वी देशांतर के बीच है। जो समुद्र तल से 141 फिट ऊंचाई पर स्थित है तथा क्षेत्रफल 12.29 वर्ग किलोमीटर है जिसमें रहने वाले लोगों के संख्या जनगणना 2011 के अनुसार 52892 है । यह शहर 25 वार्डों में विभक्त है , जिसमें घरों के संख्या 9410 है एवं इसके रख रखाव के लिए सुल्तानगंज नगर परिषद है।

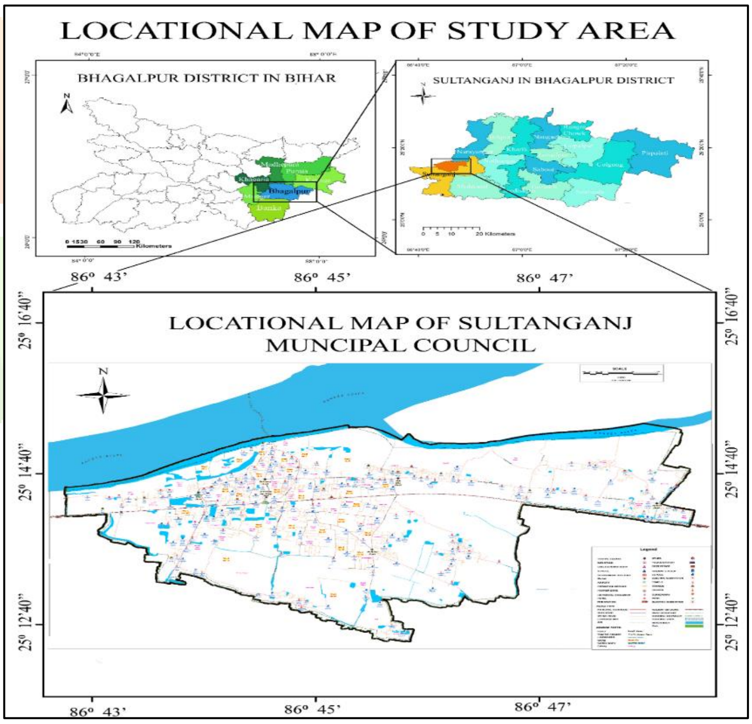

उद्देश्य

- सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की संतुष्टि सूचकांक का अध्ययन करना।

आंकड़ों का संग्रह एवं विधि तंत्र

किसी भी व्यक्ति का संतुष्टि स्तर उसकी मानसिक स्थिति पर निर्भर करती है। विभिन्न विद्वानों ने संतुष्टि सूचकांक से संबंधित कई प्रकार को बताया है जिसमें से प्रमुख कर्मचारी संतुष्टि, ग्राहक संतुष्ट, नौकरी संतुष्टि

एवं पर्यटक संतुष्टि सूचकांक है। वर्तमान शोध एक यादृच्छिक नमूना सर्वेक्षण पर आधारित हैं। जिसमें सर्वेक्षण के लिए प्रश्नावली की सहायता से फीडबैक के जरिए प्राथमिक आंकड़े एकत्रित किए गए हैं ।

जिसके लिए पर्यटक के संतुष्टि को ग्यारह प्रभावी कारकों में बाटा गया है। यातायात, विश्रामालय, भोजन, खरीद्दारी, शौचालय, सफाई, पेजल, स्वस्थ सुविधाएं, लाइट की सुविधाएं, मनोरंजन एवं प्रशासनिक व्यवस्था तथा इस शोध के लिए सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र के 125 पर्यटकों का फीडबैक का अध्ययन शामिल किया गया है, जिसमें उनके संतुष्टि अस्तर को चार भागों में बाटा गया तथा पर्यटकों को प्रभावित करने वाले भिन्न–भिन्न कारकों के लिए इन चारों संतुष्टि स्तर में से एक को चुनने कहां गया इस तरह पर्यटकों के फीडबैक से प्राप्त संतुष्टि स्तर के लिए एक से चार के बीच अंकीय मान का निर्धारण किया गया जिसमे श्रेष्ठ संतुष्टि के लिए 4 अंक ,अच्छा संतुष्टि के लिए 3 अंक , संतोषजनक संतुष्टि के लिए 2 अंक एवं असंतोषजनक संतुष्टि के 1 अंक है। इस तरह सभी कारकों के लिए संतुष्टि सूचकांक मान जीरो से चार के बीच अधिकतम आएगा जो इसके प्रसार को बताता है अतः (0—1) असंतोषजनक ,(1—2) संतोषजनक, (2—3)अच्छा एवं (3– 4)श्रेष्ठ का प्रसार होगा ।

विभिन्न कारकों के संतुष्टि स्तर का मात्रात्मक मान (Mi.Ni) ज्ञात करने के लिए संतुष्टि स्तर के अंकीय मान (Ni) को उसकी आवर्ती (Mi) से गुना करके प्राप्त किया गया है, फिर विभिन्न संतुष्टि स्तर का औसत संतुष्टि स्तर के मात्रात्मक मान का योग करके कूल उत्तरदाता पर्यटकों की संख्या से विभाजित किया गया है, जो उस कारक के लिए संतुष्टि सूचकांक (Sti)देता है।

पर्यटक संतुष्टि सूचकांक (Sti) के लिए नीम्न सूत्रों का प्रयोग किया गया है, $Sti = \Sigma\, Mi.Ni/N$,

$$\text{औसत संतुष्टि सूचकांक } (Stv) = \sum_{i=1}^{n} Sti \,/\, Nm,$$

$$\text{संतुष्टि सूचकांक प्रतिशत } (Stp) = Stv \;\frac{100}{Nl}$$

जहाँ,

Sti = ‘i’ वे कारक के लिए संतुष्टि सूचकांक,

Mi = ‘i’ वे कारक के लिए संतुष्टि के एक विशेष स्तर को प्राप्त करने वाले उत्तरदाता की आवृत्ति ,

Ni = प्रत्येक संतुष्ट स्तर के विभिन्न संख्यात्मकध् अंकीय मान,

N = संतुष्टि के सभी स्तर के लिए कराकवार सभी उत्तरदाताओं की कुल संख्या,

Nm = प्रबंधक कारकों की कुल संख्या

Nl = संतुष्टि स्तर की कुल संख्या

इस अध्ययन में उपयुक्त विधियों के द्वारा भागलपुर जिले के सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र पर उपलब्ध पर्यटकों की सुविधाओं और सेवाओं का संतुष्टि मापने का प्रयास किया गया।

पर्यटकों को प्रभावित करने वाले कारक

किसी भी पर्यटन केंद्र के लिए कुछ महत्वपूर्ण कारक होते हैं जो वहां आने वाले पर्यटकों को प्रभावित करता है सुल्तानगंज एक धार्मिक तीर्थयात्रा पर्यटक केंद्र है, यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं के संख्या सालों भर हजारों में हमेशा रहती है परंतु कभी–कभी विशेषकर सावन के महीने में यह संख्या लाखों में बदल जाती है, इन बढ़ते श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए यातायात प्रमुख प्रभावी कारक है, क्योंकि यातायात किसी पर्यटन केंद्र के पहुंच के दृष्टिकोण से मुख्य कारक होता है तथा किसी भी पर्यटन केंद्र पर पहुंचने के तत्पश्चात पर्यटक को पहला कार्य अपने ठहराव स्थल, शौचलय एवं भोजन की व्यवस्था का चयन करता है इसलिए इन्हें भी प्रभावी कारकों के तौर पर लिया गया है तथा पर्यटन केंद्र में मौजूद साफ–सफाई, लाइट की सुविधा, पेयजल, स्वास्थ सुविधाएं एवं प्रशासनिक सुविधाएं पर्यटकों के आकर्षण के लिए मुख्य होती है क्योंकि साफ–सुथरा एवं भय मुक्त माहौल ही पर्यटकों के निर्विरोध आवागमन का कारक होता है। ये सारे कारक आधार जरुरत के हैं. इसके अलावा किसी भी पर्यटन स्थाल में मनोरंजन के साधन वहाँ आने वाले पर्यटकों के आकर्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे वहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी होती है, इसलिए इन सभी प्रभावी कारकों को चयन सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र के संदर्भ में इनके विभिन्न संतुष्टि स्तर के आधार पर संतुष्टि सूचकांक प्राप्त किया गया है।

संतुष्टि सूचकांक का विश्लेषण

सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे मे जानकारी यहां आने वाले तीर्थयात्रियों से प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र की गई जो विभिन्न संतुष्टि स्तर का कारकवार आवृति एवं प्रतिशत तालिका क्रमांक 1 में दर्शाया गया है।

तालिका क्रमांक 1

कारकवार विभिन्न संतुष्टि स्तर (Mi) के लिए पर्यटकों के संख्या एवं प्रतिशत

क्र. सं.	संतुष्टि स्तर प्रबंधक कारक	श्रेष्ट		अच्छा		संतोषजनक		असंतोषजनक		कुल %
		सं०	%	सं०	%	सं०	%	सं०	%	
1.	यातायात	23	18.4	38	30.4	46	37.6	18	14.4	100 %
2.	विश्रामालय	21	16.8	27	21.6	32	25.6	45	36	100 %
3.	भोजन	-	-	26	20.8	35	28	64	51.2	100 %
4.	खरीद्दारी	-	-	31	24.8	51	40.8	43	34.4	100 %
5.	शौचालय	-	-	37	29.6	58	46.4	30	24	100 %
6.	सफाई	18	14.4	58	46.4	29	23.2	20	16	100 %
7.	पेजयल	-	-	18	14.4	35	28	72	57.6	100 %
8.	स्वास्थ सुविधा	-	-	52	41.6	41	32.8	32	25.6	100 %
9.	लाइट सुविधा	35	28	47	37.6	35	28	8	6.4	100 %
10.	मनोरंजन	19	15.2	57	45.6	32	25.6	17	13.6	100 %
11.	प्रशासनिक व्यवस्था	12	9.6	61	48.8	30	24	22	17.6	100 %
कुल		**128**	**9.30**	**452**	**32.84**	**425**	**30.88**	**371**	**26.96**	**100 %**

Source: Compiled by Researcher

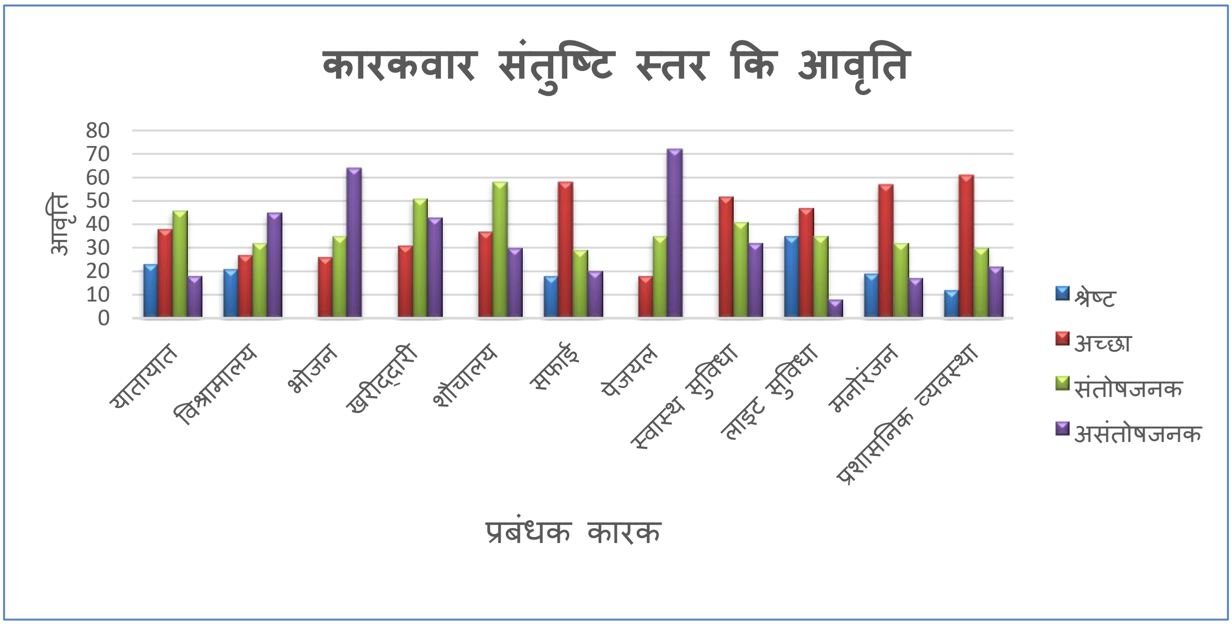

तालिका 1 मे प्रस्तुत आंकड़ों के माध्यम से पता चलता है कि 125 तीर्थयात्रियों से फीडबैक लिया गया है, इसमें यातायात सुविधाओं के लिए 18.4 प्रतिशत पर्यटक ने श्रेष्ठ, 30.4 प्रतिशत अच्छा एवं 37.6 प्रतिशत संतोषजनक है लेकिन केवल 14.5 प्रतिशत पर्यटक सुल्तानगंज में पर्यटक केंद्र की यातायात सुविधाओं से असंतोषजनक है।

सुल्तानगंज पर्यटक केंद्र पर विश्रामालय की सुविधा के प्रति पर्यटकों की राय 16.8 प्रतिशत श्रेष्ठ, 21.6 प्रतिशत अच्छा, 25.6 प्रतिशत संतोषजनक एवं 36 प्रतिशत ने असंतोषजनक बताया है।

वही भोजन संबंधी सुविधाओं के प्रति पर्यटकों राय में किसी ने भी श्रेष्ठ नहीं दिया है केवल 20.8 प्रतिशत ने अच्छा कहा, 28 प्रतिशत संतोषजनक एवं 51.2 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है।

वही खरीददारी संबंधी सुविधाओं के प्रति पर्यटकों की राय में भी किसी ने भी श्रेष्ठ नहीं दिया 24.8 प्रतिशत अच्छा, 40.8 प्रतिशत संतोषजनक एवं 34.4 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है।

वही शौचालय के संबंध में भी सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र आए पर्यटकों की राय श्रेष्ठ कोई नहीं दिया ,29.6 प्रतिशत अच्छा, 46.4 प्रतिशत संतोषजनक एवं 24 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है।

वही सफाई संबंध में भी पर्यटकों की राह 14.4 प्रतिशत श्रेष्ठ, 46.4 प्रतिशत अच्छा, 23.2 प्रतिशत संतोषजनक एवं 16 प्रतिशत असंतोषजनक है।

वही पेयजल संबंधी सुविधा में पर्यटकों कि राय में श्रेष्ठ किसी ने भी नहीं दिया केवल 14 .4 प्रतिशत अच्छा ,28 प्रतिशत संतोषजनक एवं 57.6 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है।

वहीं स्वास्थ सुविधा संबंधित पर्यटकों की राय में भी किसी का जवाब में श्रेष्ठ नहीं दिया। 41.6 प्रतिशत अच्छा, 32.8 प्रतिशत संतोषजनक एवं 25.6 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है ।

वही लाइट की सुविधा संबंधी पर्यटकों की राय 28 प्रतिशत श्रेष्ठ, 37.6 प्रतिशत अच्छा, 28 प्रतिशत संतोषजनक एवं 6.4 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है।

वही मनोरंजन संबंधी पर्यटकों की राय 15.2 प्रतिशत श्रेष्ठ, 45.6 प्रतिशत अच्छा, 25.6 प्रतिशत संतोषजनक एवं 13.6 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है।

वही प्रशासनिक व्यवस्था संबंधी पर्यटकों की राय 9.6 प्रतिशत श्रेष्ठ, 48.8 प्रतिशत अच्छा, 24 प्रतिशत संतोषजनक एवं 17.6 प्रतिशत असंतोषजनक बताया है।

उपयुक्त विवरण में ग्यारह प्रभावी कारकों को चार संतुष्टि स्तर के आधार पर सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र का विश्लेषण किया गया है सुल्तानगंज समग्र सुविधाओं और सेवाओं के बारे में पर्यटकों कि राय 9.30 प्रतिशत श्रेष्ठ, 32.84 प्रतिशत अच्छा, 30.88 प्रतिशत संतोषजनक एवं 26.96 प्रतिशत असंतोषजनक हैं।

कारकवार संतुष्टि स्तर का मात्रात्मक मान (Mi.Ni)

नीचे दी गई तालिका संख्या 2 में कारकवार संतुष्टि स्तर का मात्रात्मक मान (Mi.Ni) दिखाया गया है । विभिन्न स्तर की संतुष्टि के लिए कारकवार संतुष्टि स्तर का अंकीय मान (Ni) को उस संतुष्टि स्तर की आवृत्ति (उप) से गुणा कर प्राप्त की गई है। जैसे सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र में यातायात कारकों के लिए संतुष्टि स्तर 'श्रेष्ठ' का मात्रात्मक मान ज्ञात करने के लिए श्रेष्ठ का अंकीय मान '4' को यातायात के संतुष्टि स्तर श्रेष्ठ की आवृत्ति '23' से गुणा करके '92' प्राप्त होता है जो यातायात कारक के श्रेष्ठ संतुष्टि स्तर के लिए मात्रात्मक मान(Mi.Ni) है, और इसी तरह अन्य कारकों के विभिन्न संतुष्टि स्तर के लिए मात्रात्मक मान निकले गए हैं।

तालिका संख्या 2

कारकवार विभिन्न संतुष्टि स्तर के लिए मात्रात्मक मान (Mi.Ni)

क्र. सं.	प्रबंधक कारक	संतुष्टि सूचकांक (Sti)	क्रमांक
1.	यातायात	2.52	4
2.	विश्रामालय	2.19	6
3.	भोजन	1.69	10
4.	खरीदारी	1.90	9
5.	शौचालय	2.05	8
6.	सफाई	2.59	3
7.	पेजयल	1.56	11
8.	स्वास्थ सुविधा	2.16	7
9.	लाइट सुविधा	2.87	1
10.	मनोरंजन	2.62	2
11.	प्रशासनिक व्यवस्था	2.50	5

Source: Compiled by Researcher

कारकवार संतुष्टि सूचकांक (Sti)

तालिका संख्या 3

कारकवार संतुष्टि सूचकांक (Sti) एवं क्रमांक

क्र. सं.	प्रबंधक कारक	संतुष्टि स्तर के लिए मात्रात्मक मान (Mi. Ni)			
		श्रेष्ठ (4)	अच्छा (3)	संतोषजनक (2)	असंतोषजनक (1)
1.	यातायात	92	114	92	18
2.	विश्रामालय	84	81	64	45
3.	भोजन	-	78	70	64
4.	खरीदारी	-	93	102	43
5.	शौचालय	-	111	116	30
6.	सफाई	72	174	58	20
7.	पेजयल	-	54	70	72
8.	स्वास्थ सुविधा	-	156	82	32
9.	लाइट सुविधा	140	141	70	8
10.	मनोरंजन	76	171	64	17
11.	प्रशासनिक व्यवस्था	48	183	60	22

Source: Compiled by Researcher

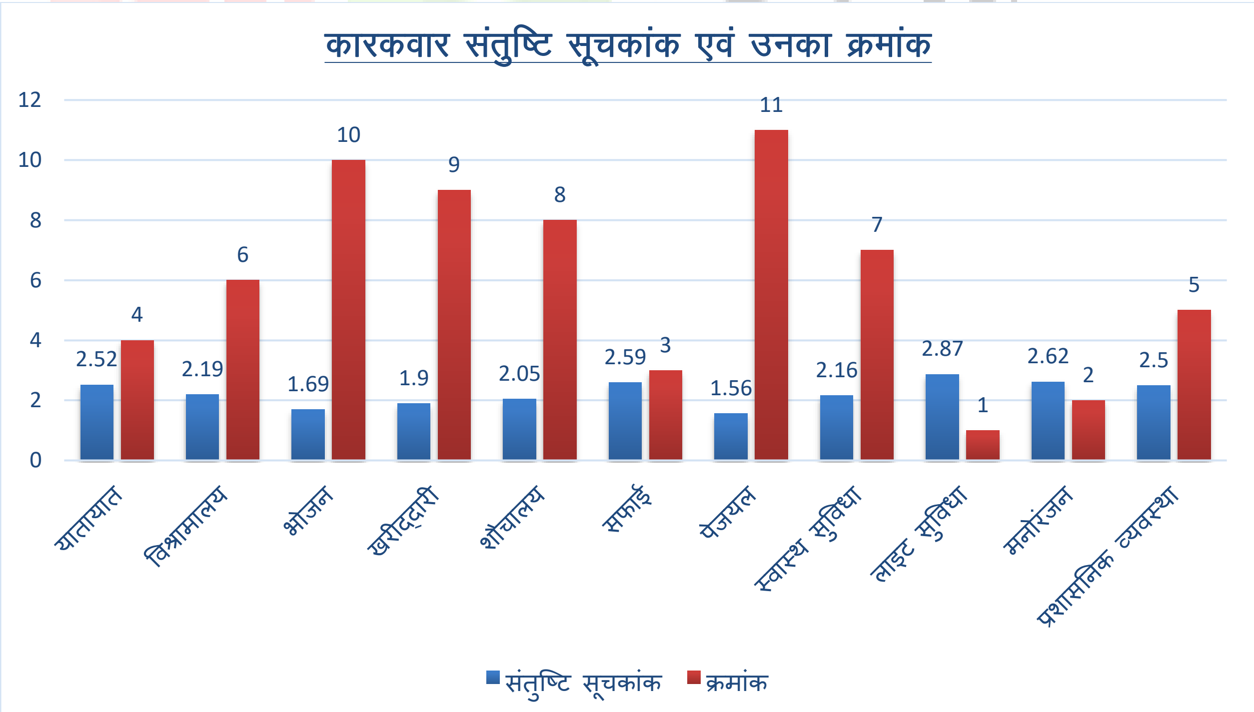

उपर्युक्त तालिका संख्या 3 में कारकवार संतुष्टि सूचकांक दिया गया है जिसमें यातायात कारक के लिए संतुष्टि सूचकांक Sti = Σ Mi.Ni/N,

$$= \frac{(23\times4)+(38\times2)+(46\times2)+(18\times1)}{125} = \frac{316}{125} = \mathbf{2.52}$$

इसी तरह विश्रामालय कारक के लिए 2.19, भोजन कारक के लिए 1. 69 , खरीदारी कारक के लिए 1. 90, शौचालय कारक के लिए 2. 05, सफाई कारक के लिए 2.59, पेयजल कारक के लिए 1.56, स्वास्थ्य सुविधा कारक के लिए 2.16, लाइट सुविधा कारक के लिए 2.87, मनोरंजन कारक के लिए 2.62 एवं प्रशासनिक व्यवस्था कारक के लिए 2.50 है।

उपयुक्त तालिका के अनुसार सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र में प्रबंधन कारकों का श्रेणी एक से ग्यारह तक क्रमशः लाइट सुविधा, मनोरंजन, सफाई, यातायात ,प्रशासनिक व्यवस्था, विश्रामालय, स्वास्थ्य सुविधा, शौचालय, खरीददारी ,भोजन एवं पेयजल है।

कारकवार संतुष्टि सूचकांक में लाइट सुविधा, मनोरंजन ,सफाई एवं यातायात को उच्च क्रमांक (1–4) प्राप्त हुआ है वही शौचालय ,खरीदारी, भोजन एवं पेयजल को निम्न क्रमांक (8 – 11) प्राप्त हुआ है जो यह बताता है कि यहां इन कारकों का व्यवस्था सुदृढ़ नहीं हुआ है इन्हें सुधारने की व्यापक आवश्यकता है। तथा प्रशासनिक व्यवस्था, विश्रामालय एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को मध्य क्रमांक (5–7) से प्राप्त हुआ है जो यह बताता है कि इन कारकों के सुविधा में सुधार तो हुआ है लेकिन भविष्य में भी आवश्यकता है।

सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र के समग्र कारकों के लिए औसत संतुष्टि सूचकांक (Stv)

$$Stv = \sum_{i=1}^{n} Sti \,/\, Nm,$$

$$= 24.65/11 = 2.24 \text{ (अच्छा)}$$

जहाँ,

Sti - 'i' वे कारक के लिए औसत संतुष्टि सूचकांक

Nm - प्रबंधक कारकों की कुल संख्या

संतुष्टि सूचकांक प्रतिशत (Stp) = Stv $\frac{100}{Nl}$

$$= 2.24\,\frac{100}{4} = 56.02 \text{ (अच्छा)}$$

जहाँ,

Stv- औसत संतुष्टि सूचकांक

Nl- संतुष्टि स्तर की कुल संख्या

अतः सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र के सभी कारकों का औसत संतुष्टि सूचकांक 2.24 है, जो संतुष्टि स्तर ' अच्छा ' को प्रदर्शित करता है और इसका प्रतिशत मान 56.02 प्रतिशत है।

निष्कर्ष

सुल्तानगंज एक धार्मिक पर्यटन केंद्र है जो घरेलू पर्यटकों की संख्या में यह बिहार का दूसरा महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र है। यहाँ मौजूद कुछ आधारभूत प्रभावी कारकों के कारण पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इन प्रभावी कारकों में उच्च संतुष्टि सूचकांक लाइट, मनोरंजन एवं साफ– सफाई की है, और कुछ निम्न संतुष्टि सूचकांक वाले प्रभावी कारक खरीददारी, भोजन एवं पेयजल की है। तथा समग्र कारकों पर सुल्तानगंज पर्यटन केंद्र का औसत संतुष्टि सूचकांक 2.24 है, जो संतुष्टि के स्तर ' अच्छा ' को प्रदर्शित करता है, ये सूचकांक का मान यह बताता है कि कुछ मामलों में सुविधाएं बेहतर हुई और यहाँ भविष्य मे सुविधा की बढ़ोतरी की संभावनाएं भी है। इस प्रकार यह संतुष्टि सूचकांक भविष्य मे इस धार्मिक पर्यटन केन्द्र की योजना बनाने और विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

संदर्भ–सूची :

- Anant G. Mohite (2011) Tirth Marashtrachi - Mayitrye Publication, Pune.
- Annual Report 2019 - 2020 Ministry of Tourism Government of India.
- Athavale J.B., Pingale C.P. - The importance andctity of Kumbh Mela - Sanatan Sastha, Raigad. Bakul Bhavsar -Trimbakeshwar Nashik Darshan - Megha Publication Ahmedabad, Gujarat.
- Bapat shakhatri K.M.- Tripindi Narayana Nagbali - Gajanan Publication Pune.
- Bhatia A.K. (2002) Tourism Development Principles and Practices - Sterling Publisher, New Delhi 2-25.
- Bhatia A.K. (2001) International Tourism Management - Sterling Publisher Private Limited, New Delhi.
- Chandana R.C. (2004) : Geography of Population, Kalyani Publication.
- Cmichagel Hall and Stephen J. Page (2014)- The Geography of Tourism and Recreation, Environment, places and Space - London and New York.
- Dhere R.C.- Holy Maharashtra Shri Kshetra Trimbakershwar - Manjul Prakashan, Pune.
- Ashture S.B. (2018) Satisfaction Index: A Study in Tourism Geography, Aayushi International Interdisciplinary Research Journal (AIIRJ) Vol-5 P.P.-18-20.
- Bharambe S.N., Jadhav S. S., (2019) Satisfaction index and Development of Manudevi Religious Tourist places in Yawal, District Jalgaon, Maharashtra, International journal of research and Analytical Review (IJRAR), Vol-6 P.P.-2349-5138.

- Dube D.P. (1989):Kumbha Mela Origin and History of India's Greatest pilgrimage Fair, The National Geographical Journal of India.Vol-33 P.P.- 486-492.
- Gade D.A. (2014): Narusinhwadi as a Religious Tourist Center: A Geographical study, weekly science Research journal, Vol-1 No-37, P.P.- 1-8.
- Gadekar D.J. (2011): Pilgrimage Assessment in Shirdi Religious Tourist Center of Ahmednagar District Maharashtra, International Referred Research Journal Vol-1 No-17 P.P.-15-56.
- Ghadhe S.T. (2014): Assessment of Tourist Satisfaction at Panchagani Hill Station: A Geographical Prespective, Indian Stream Research Journal, Vol-4 No-9 P.P.-1-14.
- Ghazal, Masarrat (2012) Tourist Satisfaction towards tourism products and market: A Case Study of Uttaranchal, International Journal of Business and Information Technology, Vol-2 No-1 P.P.-16-26.
- Jadhav R.S. (2015) Geographical Analysis of Tourism: A case Study of Nighoj, Partner Tehsil District Ahmednagar, Maharashtra India, Maharashtra BhugolShastra Sanshodan Patrika, Vol-32 No -1P.P.-23-26.
- Jadhav S.S., Bhalsingh R. Rangnath (2015) Study of tourist behavior with respect to satisfaction level for Shani Shingnapur religious tourist Center, Ahmadnagar district, Maharashtra, Indian stream Research journal. Vol-5 p. p.- 1-8.
- Jadhav S.T. (2018) A study of Geographical information system of land use pattern of Harsul village in Trimbakershwar Tahsil.Aayushi international interdisciplinary Research journal (AIIRJ) Vol-5 P.P.-386-392.